TP

Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि-II - 015

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 200**

सामान्य हिन्दी और सामान्य अंग्रेजी- IV
General Hindi and General English - IV

Paper - IV

Name :		MARKS	
Enroll. No.:	Part	Att. Question	Marks Obtained
Date of Birth :	Hindi		76½
Medium : Hindi	English		46
E-mail :			
Exam Date : 19/05/2024	Total		122½

Evaluator's Code	Reviewer's Code	Invigilator's Signature	Student's Signature
SSD-	✓		

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam.
2. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
3. अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
   Candidates should not write more than the prescribed word limit in answers, violating this may result in deduction of marks.
4. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।
   Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.

	REVIEW PARAMETERS	SCALE			
		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?				
a.	Answer Relevancy				
b.	Answer Enrichment points like use of: · Key Terms/ Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc. Association with the Current Affairs and use of examples to explain the concept and idea				
2.	HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?				
a.	Structure - Intro, Body, Conclusion				
b.	Presentation – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps				
c.	Language & Grammar				
d.	Word limit				

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव

1.

→ Nice, Can be improved further {Both ~~subjects~~ subjects}

→ Try to work on ~~gramm~~ grammer

→ Revise properly

best of luck

Unit - I

1. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए:- (2) 4×½ = 2
   - (i) सांग + उपांग = सांगोपांग ✓
   - (ii) मनु + अ = मानव ✓
   - (iii) महत् + आकाश = महदाकाश ✓
   - (iv) णिच् + अंत = णिजंत ✓

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए:- (1½) 4×½ = 2
   - (i) अहोरूप = अह: + रूप ✗ अहन् + रूप
   - (ii) मनीष = मनस् + ईश ✓
   - (iii) तेजोमूर्ति = तेज: + मूर्ति ✓
   - (iv) जलोर्मि = जल + ऊर्मि ✓

3. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए:- (2) 4×½ = 2
   - (i) अक्ष + ऊहिनी = अक्षौहिणी ✓
   - (ii) प्रति + स्थित = प्रतिष्ठित ✓
   - (iii) उद् + जयिनी = उज्जयिनी ✓
   - (iv) यश: + शरीर = यशोशरीर ✓

4. निम्नांकित उपसर्गों के योग से दो-दो शब्द बनाइये:- (2) 2×1 = 2
   - (i) हम = ✓ हमराज, ✓ हमशक्ल
   - (ii) अलम् = ✓ अलंकार, ✓ अलंकरण

5. निम्नांकित शब्दों से उपसर्ग पृथक् कीजिए- (2) 4×½ = 2
   - (i) आविर्भाव = ✓ आवि: + भाव
   - (ii) नेति = ✓ न + इति
   - (iii) संख्या = ✓ सम् + ख्या
   - (iv) निरन्न = ✓ निर् + अन्न

ज्ञानं ... आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत: (TM)

6. निम्नांकित प्रत्ययों का संयोग करते हुए दो-दो शब्द बनाइये:- 2×1=2

(i) आस्पद = हास्यास्पद, विवादास्पद

(ii) आन = ध्यान, ज्ञान

7. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय पृथक कीजिए- 2×1=2

(i) कठफोड़ा = काठ + फोड़ा / काठफोड़ + आ

(ii) मखनिया = मक्खन + इया

8. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिये:- 2×1=2

(i) वत्सर = वर्ष, साल

(ii) समर = युद्ध, संग्राम

9. निम्नांकित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए- 2×1=2

(i) घोटक = घोड़ा, तुरंग

(ii) काक = कौआ, काग

10. निम्नांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए- 4×½=2

(i) कल्पित = अहित X

(ii) बद्ध = मुक्त

(iii) सुरति = विरति

(iv) वेदना = प्रफुल्लता / खुशी X

11. निम्नांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए- 4×½=2

(i) निस्तरंग = तरंगित

(ii) मूर्च्छा = चेतना

(iii) आतिथेय = अतिथि

(iv) सेव्य = सेवक

12. निम्नांकित युग्म-शब्दों का अर्थगत अंतर लिखिए- 2×1 = 2

(i) फण-फन = फण ⇒ साँप का फैला हुआ मुँह , फन ⇒ हुनर/गुण

(ii) पट्ट-पट्टू = पट्ट ⇒ तख्ती , पट्टू ⇒ ऊनी वस्त्र

13. निम्नलिखित युग्म-शब्दों का अर्थगत अंतर लिखिए- 2×1 = 2

(i) नाई-नाई = नाई ⇒ बाल काटने वाला , नाई ⇒ तरह

(ii) सत-सत्त = सत ⇒ सत्य , सत्त ⇒ सत्व/सार

14. निम्नांकित वाक्यांशों के लिए एक-एक सार्थक शब्द लिखिए:- 2×1 = 2

(i) जौ से तैयार किया गया जल = यवागिष्ठ

(ii) दूसरों के हित की इच्छा = हितैषणा

15. दिए गए वाक्यांशों के लिए एक-एक सार्थक शब्द लिखिए:- 2×1 = 2

(i) लताओं से आच्छादित रमणीय स्थान = निकुंज

(ii) आदि से लेकर अंत तक = आद्योपांत

16. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए- 4×½ = 2

(i) अध्यावसाय = अध्यवसाय

(ii) मोक्षदायनी = मोक्षदायिनी

(iii) सौजन्यता = सौजन्य

(iv) भागवान = भगवान / भाग्यवान ✗ भाग्यवान्

17. दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए- 4×½ = 2

(i) सशंकित = सशंक / शंकित

(ii) मुहुर्त = मुहूर्त

(iii) याज्ञवल्क्य = याज्ञवल्क्य ✗ यासवल्क्य

(iv) जिव्हा = जिह्वा

18. निम्नांकित वाक्यों का शुद्ध रूप लिखिए

(i) अपने कुत्ते पर नियंत्रण कीजिए।

अपने कुत्ते पर नियंत्रण रखिए।

(ii) इन हालातों में आप अपने सामानों की स्वयं देखभाल करें।

इन हालात में आप अपने सामान की स्वयं देखभाल करें

2×1=2

19. निम्नलिखित वाक्यों का शुद्ध रूप लिखिए:-

(i) उसका ससुराल भरतपुर में है।

उसका ससुराल भरतपुर है।

(ii) दासता युक्त गुलामी का जीवन ठीक नहीं है।

दासता का जीवन ठीक नहीं है।

2×1=2

20. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए:-

(i) थाली का बैंगन होना-

सिद्धांतहीन व्यक्ति / अस्थिर चित्त वाला व्यक्ति :→

रमेश कभी तो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की बात करता है और कभी व्यापार करने की। वह तो थाली का बैंगन बना हुआ है, कुछ भी तय नहीं कर पा रहा।

(ii) पेट में दाढ़ी होना-

बचपन से ही समझदार होना :→

राम की उम्र महज आठ वर्ष है परन्तु अभी से कितना होशियार है। इनके तो पेट में ही दाढ़ी है।

21. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए- 2×1 = 2

(i) नाव में धूल उड़ाना-

(2)

किसी को बदनाम करने का प्रयास करना :
राजेश तो बहुत ही भला आदमी है और तुम उसके बारे में उलटा-सीधा बोलकर नाव में धूल उड़ाने जैसा कार्य कर रहे हो।

(ii) साढ़े साती लगना-

बुरा समय शुरू होना :
जब से मैंने व्यापार में रमेश के साथ साझेदारी की है, तब से मेरे व्यापार को तो साढ़े साती लग गई है।

22. निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए- 2×1 = 2

(i) इस घर का बाबा आलम ही निराला है-

(2)

सबसे अलग हटकर होना :
इस घर के लोग ना तो समाज के कायदे कानूनों को मानते है और ना ही समाज से जुड़ना चाहते हैं। इस घर का तो बाबा आलम ही निराला है।

(ii) जहाँ जाय भूखा वहाँ पड़े सूखा-

भाग्यहीन के भाग्य में हर जगह दुःख ही लिखा होता है।
रमेश ने जैसे-तैसे कुछ धन का इंतजाम किया था ताकि बेटी का विवाह कर सके परन्तु कल रात चोरों ने सारा धन चुरा लिया। यें तो वही हुआ - जहाँ जाय भूखा वहाँ पड़े सूखा।

23. निम्नांकित लोकोक्तियाँ का अर्थ बताते हुए वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए:- 2×1

(i) नदी नाव संयोग

क्षणिक मिलन :-> प्रतियोगी परीक्षा देने आयी सुमन से आज अचानक मुलाकात हो गई परंतु ज्यादा नहीं हो पाई। हमारा मिलन तो नदी नाव संयोग जैसा रहा।

1

(ii) शेरों का मुँह किसने धोया

असंभव कार्य करना :->

24. निम्नांकित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी पारिभाषिक शब्द लिखिए- 2×1=2

(i) APPEASEMENT –

(ii) FORFEITURE –

जब्ती / अधिहरण

25. निम्नांकित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी पारिभाषिक लिखिए- 2×1=2

(i) WILFUL –

इच्छानुरूप

1

(ii) EQUITABLE –

समान रूप से

भाग-ब

1. **निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए एक-तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए।** 10 अंक

"लोभ चाहे जिस वस्तु का हो, जब वह बहुत बढ़ जाता है तब उस वस्तु की प्राप्ति, सान्निध्य या उपयोग से जी नहीं भरता। मनुष्य चाहता है कि वह बार-बार मिले या बराबर मिलती रहे। धन का लोभ जब रोग होकर चित्त में घर कर लेता है, तब प्राप्ति होने पर भी प्राप्ति की इच्छा बराबर बनी रहती है जिससे मनुष्य सदा आतुर और प्राप्ति के आनन्द से विमुख रहता है। जितना नहीं है, उतने के पीछे जितना है, उतने में प्रसन्न होने का उसे भी अवसर नहीं मिलता। उसका सारा अन्तःकरण सदा अभावग्रस्त रहता है। उसके लिए जो है वह भी नहीं है। असंतोष अभाव कल्पना से उत्पन्न दुःख है। अतः जिस किसी में यह अभाव कल्पना स्वाभाविक हो जाती है, सुख से उसका नाता सब दिन के लिए टूट जाता है। न किसी को देखकर वह प्रसन्न होता है और न उसे देखकर कोई प्रसन्न होता है। इसी से संतोष सात्विक जीवन का अंग बताया गया है।"

शीर्षक : लोभ के नकारात्मक प्रभाव

अप्राप्य वस्तु मन में लोभ उत्पन्न करती है, जिसका मनुष्य बार-बार उपभोग करना चाहता है परंतु यदि वह वस्तु व्यक्ति के चित्त मे उतर जाये तो उसकी प्राप्तेच्छा व्यक्ति को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर उसे दुःखी एवं अकेला बना देती है अतः सुखी जीवन हेतु संतोष का गुण होना आवश्यक है।

(= 35 शब्द)

आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः...

2. निम्नलिखित का भाव विस्तार
शीर्षक- देखा देखी कीना जोग, छीनी काया बाढ़

मनुष्य की सदैव प्रवृत्ति रही है कि वह हमेशा आगे निकलने की स्पर्धा में लगा रहता है तथा यह स्पर्धा लाभदायक भी सिद्ध होती है परन्तु कई बार यह स्पर्धा मनुष्य के लिए अत्यधिक हानिकारक सिद्ध होती है।

जिस प्रकार बिना सामर्थ्य के दूसरों को देखा देखी व्यक्ति जोग धारण कर तो लेता है परन्तु उसका निर्वहन नहीं कर पाता, जिससे उसका शरीर भी दुर्बल हो जाता है और वह अनेक प्रकार के रोगों से भी ग्रस्त हो जाता है तात्पर्य यह है कि दिखावे व आडंबर को त्यागकर सादगीपूर्ण जीवन जीना सार्थक है।

समाज में बढ़ती अंधी भौतिकता की दौड़ व नैतिकता के मूल्यों के निरंतर होते ह्रास ने इस कहावत को चरितार्थ किया जब समाज का भविष्य अंधकार के गर्त में जाता जा रहा है युवा मोबाइल व फैशन परस्ती में व्यस्त है जिसके नतीजें अनेक शारीरिक व मानसिक बीमारियों के रूप में मिल रहे हैं।

अतः मनुष्य को अपनी वास्तविकता से जुड़े रहकर ही समस्त कार्यों का संपादन करना चाहिए और अंधी दौड़ का हिस्सा बनने से स्वयं को बचाना चाहिए।

3. निम्नांकित अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 10 अंक

I, Mahatma Gandhi am a servant of India and I am trying to serve India. I serve the whole of mankind. I had thought in my early life that the service of India was not against the service of mankind. As I advance in years and it is hoped my intellect has also developed, I have realised that my thinking was right. After about fifty years of public service I can say today that the service of a country is no less than the service of the world. This thinking of mine has made this way of thinking stronger. By mere acceptance of this principle the condition of the world can improve and the mutual jealousy among the different nations of the world can be ended. While launching a movement against untouchability I have not confined myself to Hinduism alone. If the sense of untouchability is really removed from the hearts of the Hindus, we shall soon realise that we are all one and not different from one another.

मैं, महात्मा गाँधी भारत का एक सेवक हूँ और मैं भारत की सेवा करने का प्रयास कर रहा हूँ। मैं पूरी मानवता की सेवा करता हूँ। मैंने अपनी अपने प्रारंभिक जीवन में सोचा कि भारत की सेवा मानवता की सेवा के खिलाफ नहीं थी। जैसे मैं अगले वर्षों में आया और यह आशा थी कि मेरी मनोस्थिति का भी विकास हुआ। मैंने महसूस किया कि मेरी सोच सही थी। लोगों की पचास वर्ष सेवा करने के पश्चात् आज मैं यह कह सकता हूँ कि एक देश की सेवा, विश्व की सेवा से कम नहीं है। मेरी इस सोच ने, इस सोचने के तरीके को और मजबूत बना मेरे इस सिद्धांत की स्वीकृति के बाद विश्व की दशा में सुधार किया जा सकता है और विश्व के विभिन्न देशों के मध्य सामंजस्य ईर्ष्या को खत्म किया जा सकता है। अछूतपन के विरुद्ध एक आंदोलन शुरू करने के दौरान मैंने स्वयं को हिंदुत्व अकेले हिंदुत्व तक सीमित नहीं रखा किया। अगर अ. हिन्दुओं के हृदय से अछूतपन की भावना का अंत होता है, तो हम जल्दी ही महसूस करेंगे कि हम सब एक हैं और हम एक दूसरे से पृथक् नहीं है।

4. नगरीय विकास एवं ... के संबंध में दिव्यांगजनो हेतु 5 प्रतिशत बूथ ... की बावत अधिसूचना ... कीजिए- 10

(6)

राजस्थान सरकार

कार्यालय, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग

शासन सचिवालय

प.क्र.- प.(5)नवि/स्वाशावि/2024/108 जयपुर, 18 मई

:अधिसूचना:-

राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा-1.. की उपधारा-123(ग) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल महोदय की ओर से जनहित में जारी किया जाता है कि राज्य के समस्त नगरपालिका क्षेत्रों में डेयरी बूथ आवंटन के संबंध में दिव्यांगजनो हेतु 5 प्रतिशत बूथ आरक्षित रखे जाएंगे।

यह अधिसूचना आगामी 1 जून 2024 से सम्पूर्ण राज्य क्षेत्र में लागू की जाएगी।

राज्यपाल की आज्ञा से

कखग

(कखग)

सचिव

नगरीय विकास एवं

स्वायत्त शासन विभाग

दिनांक

प.क्र. - प.(5)/नवि/स्वायत्त/2024/105-182 दिनांक - 18 मई 2024

प्रतिलिपि : सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु
1. निजी सचिव, राज्यपाल महोदय, राजस्थान
2. निजी सचिव, मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार
3. मुख्य सचिव, राजस्थान
4. समस्त अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका
5. अधीक्षक, केन्द्रीय मुद्रणालय, राजस्थान सरकार
6. रक्षित पत्रावली

कखगा
(कखगा)
सचिव

सम्यक्
॥आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः॥

5. जिला कलेक्टर, चूरू की ओर से उपखंड अधिकारी, सरदारशहर को क्षेत्र में सूखे के कारण खराब हुई फसल की रिपोर्ट भिजवाने हेतु अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए- 10

6

राजस्थान सरकार

कार्यालय, जिला कलेक्टर

अ.ब.स

चूरू

जिला कलेक्टर

दिनांक - 18 मई 2024

अ.शा.प.क्र. - प.(8)/ संख्या/2024

विषय : सूखे के कारण खराब हुई फसल की रिपोर्ट भिजवाने के संदर्भ में।

प्रिय श्री क.ख.ग
....

उपर्युक्त विषयान्तर्गत आपको सूचित किया जाता है कि गत माह आपके उपखंड में सूखे के कारण सम्पूर्ण रबी की फसल खराब हो गई जिसके संदर्भ में आपसे रिपोर्ट चाही गई थी, जो आदिनांक तक अप्राप्त है। विधानसभा के आगामी सत्र में इससे संबंधित रिपोर्ट को पेश किया जाना है। अतः उम्मीद है कि आप स्वयं इस कार्य को पूर्ण निष्ठा से सम्पन्न करेंगे तथा अधीनस्थों के सहयोग से इस कार्य को अतिशीघ्र सम्पन्न कर दिनांक 30 मई 2024 तक रिपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत कर देंगे।

पिछली बार आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं था, इस बार आपके अच्छे स्वास्थ्य की उम्मीद है।

शुभकामनाओं सहित
....

शुभेच्छु

अ ब स

जिला कलेक्टर

चुरू

कखग

उपखंड अधिकारी

सरदारशहर

(टिप्पणी : अर्द्धशासकीय पत्र में रेखांकित शब्द हाथ से लिखे जाते हैं, टंकित नहीं होते)

ज्ञान
(TM)
॥ आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः॥

1. निम्नलिखित में से एक विषय पर निबंध लिखिए-

1. विकास प्रक्रिया में आत्मनिर्भरता

2. सौर ऊर्जा- भविष्य की ऊर्जा के रूप में

9½

10/20

सौर ऊर्जा - भविष्य की ऊर्जा के रूप में

"अब समय आ गया है कि हम हमारे ग्रह को गलत पंद करे और ऊर्जा के स्रोतों के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करें।"

- एंटोनियो गुटारेस (महासचिव - यूएनओ)

सभ्यता के विकास से वर्तमान तक ऊर्जा की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति ऊर्जा के गैर नवीकरणीय संसाधनों जैसे - कोयला, पेट्रोलियम आदि से पुरी की जा रही है। परन्तु बदलते वैश्विक परिदृश्यों में ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को अपनाना आवश्यक हो गया।

ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत वे स्रोत है जो प्रदूषण रहित है, तथा तकनीक के माध्यम से कभी ना खत्म होने वाले भण्डार के रूप में प्राप्त किए जा सकते है। इनके उदाहरणों में - सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोगैस, बायोमास आदि ऊर्जाओं को शामिल किया जा सकता है।

"भारत में सौर ऊर्जा की अनंत संभावनाओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि - " सौर ऊर्जा में इतनी संभावनायें है कि 21वीं सदी की सभी ऊर्जा आवश्यकताओं को अकेला सौर ऊर्जा से पूर्ण किया जा सकता है।" .

भारत में 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें सौर ऊर्जा हेतु सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे है, जिनमें - अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, प्रधानमंत्री सूर्य बिजली घर योजना, प्रधान मंत्री कुसुम योजना, सोलर सिटीज व सोलर पार्को का निर्माण आदि।

राजस्थान सौर ऊर्जा में 23 गीगावाट से अधिक उत्पादन के साथ संपूर्ण भारत में प्रथम स्थान पर है। हाल में इनवेस्ट राजस्थान समिट में सर्वाधिक निवेश सौर ऊर्जा में किया गया। राजस्थान 61% रेगिस्तानी क्षेत्रफल व 320 से अधिक दिन सूर्य की रोशनी प्राप्त कर सौर ऊर्जा हेतु सर्वाधिक उपयुक्त स्थल है।

सौर ऊर्जा बहुआयामी रूप से सभी के लिए उपयोगी है। घरेलू कार्यों में, खाना बनाना, बल्ब, पंखा, टेलीविजन आदि चलाने में सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है, जोकि ऊर्जा का एक प्रदूषण रहित सस्ता व दक्ष माध्यम है।

2019 में राजस्थान सरकार द्वारा सौर ऊर्जा नीति भी घोषित की गई, जिसमें 30 गीगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया। सभी प्रकार की नवीकरणीय व गैरनवीकरणीय ऊर्जाओं के उत्पादन के कारण ही थार का मरुस्थल विश्व का ऊर्जा घर कहलाने लगा है।

सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन प्रदान कर सतत् विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है, जोकि वर्तमान की आवश्यकता भी है।

वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व सौर ऊर्जा उत्पादन की तरफ अग्रणी कदम उठा रहा है, जो ऊर्जा के क्षेत्र में सौर ऊर्जा की महत्ता को रेखांकित करता है।

समापन सही से करें।

॥ श्री माँ भद्रा: कृतवो यन्तु विश्वत:॥

Unit - II

(A) Identify the error and rewrite the correct form of the following sentences: (Q. No. 1-10)

Marks: 10×1= 10

9

1. He knows the English Well.

He knows English well.

2. Would you like any rice?

Would you like some rice?

3. I saw him between the crowd.

I saw him among the crowd.

4. Raman laughed on me.

Raman laughed at me.

5. You could have the book when I have finished it.

You might have the book when I have finished it

6. One would try to do one's best.

One should try to do one's best.

7. Krishna wrote a book. (Change into Passive voice)

A book was written by Krishna.

8. The rose is sweet when smelt. (Change into Active voice)

The rose ~~is~~ smells sweet.

9. He said to me, "I can't help you." (Change into Indirect speech)

He told me that he couldn't help me.

10. He said (that) he would go home. (Change into Direct Speech)

He said, "I will go home."

Samyak
An Institute For Civil Services

B. Choose the word similar in meaning. (Q.No. 11-12) Marks: 2×1=2

11. Judicious -
Thoughtful/Stupendous

Thoughtful ✓ 2

12. Inevitable -
Ascertained/Avoidable

Ascertained ✓

C. Choose the word opposite in meaning. (Q.No. 13-14) Marks: 2×1=2

13. Haughty -
Cheap/Humble

Humble ✓ 2

14. Just -
Unfair/Urgent

Unfair ✓

D. Rewrite choosing the appropriate expression to form a meaningful sentence (Q.No. 15-16) Marks: 2×1=2

15. The meeting was *called back/called off* because of the strike.

The meeting was called off because of the strike. ✓

16. I will *drop you off/drop you out* at the bus stop if you like.

I will drop you out at the bus stop if you like.

F. Selecting the correct phrase/word, rewrite the following sentences (Q.No. 17-18) Marks : 2×1=2

17. The principal *summed up/summed down* his inaugural address.

The principal summed up his inaugural address.

(2)

18. The dishonest clerk has *tampered upon/tampered with* the records.

The dishonest clerk has tampered with the records.

Write a one-word substitute for the following expressions. (Q.No. 19-20) Marks : 2×1=2

19. One who thinks or speaks too much of himself.

Soliloquist

(0)

20. Something capable of being done.

॥आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः॥

Part - B

(A) Read the passage given below and answer the questions that follow – (Q.No. 21-25) **Marks : 5×2=10**

Title: The Lost City of Atlantis

Deep beneath the surface of the Atlantic Ocean lies a realm of mystery and intrigue—the legendary lost city of Atlantis. According to ancient texts and myths, Atlantis was a prosperous and advanced civilization, flourishing thousands of years ago before its sudden and catastrophic demise. Legends speak of a utopian society, where technology and knowledge far surpassed that of any other civilization of its time. The Atlanteans were said to have mastered the elements and wielded powers beyond mortal comprehension. Yet, despite their achievements, Atlantis was doomed to sink beneath the waves, disappearing into the depths of the ocean, never to be seen again. For centuries, scholars and explorers have searched for the fabled city, scouring the ocean floor in hopes of uncovering its secrets. Despite numerous expeditions and tantalizing discoveries, the true location of Atlantis remains a subject of debate and speculation, with some believing it to be a purely mythical tale and others convinced of its historical truth. As the sun sets over the vast expanse of the ocean, casting a golden glow upon the waves, the mystery of Atlantis endures, beckoning adventurers and dreamers to embark on quests for the truth. Whether Atlantis was merely a figment of ancient imagination or a lost civilization waiting to be rediscovered, its enigmatic allure continues to captivate the human spirit.

21. Where is the legendary lost city of Atlantis said to be located?

Deep beneath the surface of the Atlantic Ocean the legendary lost city Atlantis said to be located.

22. What kind of civilization was Atlantis believed to be?

Atlantis was a prosperous and advanced civilization flourishing thousands of years ago.

23. What were some of the supposed achievements of the Atlanteans?

The supposed achievements of the Atlanteans are that they had a utopian society, where technology and knowledge far surpassed that of any other civilization of its time. They were said to have mastered the elements and wielded powers beyond mortal comprehension

24. Why do scholars and explorers search for Atlantis?

Scholars and explorers did searched for Atlantis because of the fabled city, scouring the ocean floor in hopes of uncovering its secrets. & determining its fate

25. Provide a synonym for "Enigmatic."

Translate the following sentences into English (Q.No. 26-30)

1. भारत में बेरोजगारी एक बहुआयामी मुद्दा है।

Marks : 5×2=10

In India, unemployment is a multidimensional issue.

2. साइबर युद्ध आधुनिक दुनिया में युद्ध की अगली सीमा के रूप में उभरा है।

3. इसरो की सफलता का श्रेय नवाचार, वैज्ञानिक उत्कृष्टता और लागत प्रभावी समाधानों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिया जा सकता है।

The credit of success of ISRO can give Its innovation, scientific excellence and Its committment towards costly effective solution.

4. गगनयान मिशन भारत के लिए अत्यधिक वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रतीकात्मक महत्व रखता है।

Gaganyan mission has excessive scientific, technical and signify importance for India.

5. मोबाइल फोन आधुनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है।

Mobile phone has made a compelsery part of modern life.

(C) **Make a precis of the following passage in about one-third of its length.** Marks:10

The sun dipped below the horizon, painting the sky in hues of orange and pink as twilight descended upon the tranquil countryside. The gentle breeze rustled through the trees, carrying with it the earthy scent of freshly mown grass. In the distance, the faint sound of crickets chirping added to the symphony of evening sounds. As darkness enveloped the landscape, stars began to twinkle in the velvety sky, casting a soft glow over the sleeping world. It was a moment of quiet beauty, a pause in the rush of daily life, where nature's serenity invited contemplation and reflection under the canopy of the night.

Title : Beauty of nature.

There is a scene of sun ~~shine~~ set where sun makes different colours in sky. There are also trees and mown grass. Sound of crickets is also can be heared. After sun ~~shi~~ set night comes with stars and makes sleeping to world. It shows a beautiful cycle of nature.

(≃ 35 words)

maintain the coherence of sentence and original meaning of passage

श्रद्धा: कृतवो यन्तु विश्वत: !!

Part – C

Write a paragraph on any one of the following in approximately 200 Words.

(i) Poverty in India : Can We Ever Able to Eradicate it?

(ii) Caste Discrimination and Exclusion in India

(iii) Electoral Reforms and Indian Democracy

Marks 10

Poverty in India

According to some international reports, ~~India~~ has 40% population of India, is below poverty line. This data shows that how much efforts we have to eradicate it.

After independance, the government of India tried to abolished poverty through 5 year plans.

Poverty is a state in which a person can't afford basic needs, such that :- food, clothes, home, medical treatment, education etc. There are many factors, they affects poverty.

Poverty is a curse for those who suffers from it all life.

The government of India started many scems like - "Jawahar Rojgar Yojana", "slogen of "Gariki Hatao", "20 Sutri karayakaram",

" Mahatama Gandhi Rojgar Garantee Yojana Yojana" "PDS" scam, " DWACRA scam", PM - Jan Aarogya Yojana" and many other efforts done by government.

free education, free medician, free Ration and also free water, light etc provided by government to BPL.

Many commetties stood for solution to eradication of poverty, Such as - Rath and Dandekar commettie, Suresh Tendulkar commettie (2011), Arvind Panngadiya commettie etc.

6

Many factors are responcible for poverty in India. Lake of education, lack of employment, social structure, lack of technology and Invrestment in the sectors of emplyment. Corruption is also a big factor who provokes it.

In 21st century, where India want to the moon, It is so pityfull that 40% population of our country is Living in sufferings and lack of things.

We should alive our traditional works like handicrafts. We should promote food processing industries. Much investment trough FDI and FII should be provided to agriculture and factries, as much people could get employment in these sectors.

Technology should be promote for transparancy in all scems, which is done for eradication of poverty.

Only government can't It self. But communal support, Innovation, startups, promotions of handicrafts, arising of agriculture, rising of new feilds of employment, changing in education system can make this's condition when we eradicate poverty for ever from our country.

(B) Elaborate any one of the following themes in approximately ... Marks 10

(i) Failures are the Pillars of Success

(ii) Best for an Individual is not Necessarily Best for the Society

(iii) Ideas Rule the World

[Failures are the Pillars of Success]

" Patience & perspiration make an unbeatable condition to get success."

– Nepoleon Hill

Diligance and hardworking is the master key to success. Without any ambition and hardwork we can't think that we will achive success.

But many times we defeats in our goal, Although we do hardwork for that. But as a human being we should know that failures is a part of life.

Without failure we can't judge self and can't feel that how much importance success have in our life.

In history, we learn many examples about those great personalities who faced defeat and later they become great leader.

Mahatama Gandhi, Subhash Chandra Boss, Pablo Pacaso, Thomus Edision etc., Sachin Tendulkar and Amitabh Bachan are most important examples to prove that ~~failed~~ how failure is important in the way to get success hardly.

It also says :- karat karat Abhyas ke, Jadmati hote sujan.......

Continuesly Practice makes a man perfect and provoke him to get success.

Failure makes a base on which we build a palace of our ambitions. But the important thing is that we should learn from our failures and don't give up in any condition of life then we can achieve worthwhile in life.

It said that god helps them who help themself. So It is essential to do anything in life that how much we learn ~~a~~ from our failures and mistakes.

Thus, we can conclued that failures are natural and they have an option of success but they proved themself as a landmark is man's life.

In nutshall, we can say that "failures are the pillars of success".

॥ आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः ॥

(C) Write a letter to the newspaper editor about the rise in petrol and diesel prices.

Or

Write a report on corruption in politics.

Marks 10

B-15, Saroj Nagar,
Shastri Nagar,
Jaipur.

18 May 2024

To.
The Editor,
The Rajasthan Patrika,
Jaipur Group, mansarovar,
Jaipur.

Subject: About the rise in petrol and diesel prices.

Respected sir,

Through the colomn of your esteemed newspaper I want to draw the kind attention of concerned authority / government as well as public that petrol and diesel prices are

rising day by day. Current value of patrol is 102 rs. per liter and diesel is 89 rs. per liter. People have been suffering due to these risen values. Value Added Tax which is recovers by the government of state is much more.

A common man can't afford these values. Although crude oil is expensive but the govern of state should cut down the prices of petrol and diesel.

I shall be highly obliged to you if you publish this column in your esteemed newspape I Hope this matter will be under consideration and some strong and positive active will be taken by concerned authority.

In anticipation;

Thanking you

Yours faithfully